International Journal of Hindi Research
ISSN: 2455-2232; Impact Factor: RJIF 5.22
Received: 25-10-2020; Accepted: 10-11-2020; Published: 27-11-2020
www.hindijournal.com
Volume 6; Issue 6; 2020; Page No. 94-97

छत्तीसगढ़ राज्य में लाफार्ज एवं अंबुजा सीमेंट इकाईयों के रोक कोषों का विश्लेषण पर तुलनात्मक अध्ययन

रत्नाकर पाण्डेय[1], डॉ. दिलीप शुक्ला[2]
[1] एम.कॉम, बी.पी.एड पं.सुदरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, भारत
[2] शास. जाज्वल्य देव नवीन कन्या महाविद्यालय जांजगीर, छत्तीसगढ़, भारत

सारांश
छत्तीसगढ़ राज्य में सीमेंट उद्योग का लाफार्ज एवं अंबुजा सीमेंट इकाईयों के रोक कोषों का विश्लेषण का तुलनात्मक अध्ययन है। जिसमें जांजगीर जिले एवं बालौदा बाजार जिले में स्थापित लाफार्ज एवं अंबुजा सीमेंट संयत्रों कार्यशील पूंजी की गणना करना से संबंधित समस्त पहलुओं पर अध्ययन किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन कार्य के हेतु आवश्यक समंकों को प्राथमिक व द्वितीयक दोंनों ही स्रोतों से एकत्रित किया गया है। प्राथमिक समंको प्राप्ति के लिए साक्षात्कार, अवलोकन पद्धति का प्रयोग किया गया है। द्वितीयक समंको की प्राप्ति के लिए प्रकाशित पॉच वार्षिक प्रतिवेदन, पत्र–पत्रिकाओं के साथ ही सीमेंट उत्पादन कंपनी के वेबसाइड से जानकारी प्राप्त की गई है।
इस अध्ययन के आधार पर यह पाया गया है लाफार्ज एवं अंबुजा सीमेंट संयंत्र के तरल कोषों की विवेचना की गयी है जिसके अंतर्गत कार्यशील पूंजी का प्रबंध, प्राप्यों की प्रबंध की तुलना में बहतर है। अंबुजा सीमेंट संयंत्र के अंतिम दो वर्षों में कार्यशील पूंजी कम प्रतीत होती है

मूल शब्द: अंबुजा सीमेंट, विश्लेषण, तुलनात्मक

1. प्रस्तावना
वर्तमान समय में हमारा देश विश्व अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण औद्योगिक राष्ट्र के रूप में स्थापित होने के लिए प्रयत्नशील है। किसी भी देश की आर्थिक संपन्नता एवं सुदृढ़ता उस देश के उन्नत उद्योगों पर निर्भर करती है, किन्तु वर्तमान युग औद्योगिग प्रतिस्पर्धा का है। इस औद्योगिक प्रतिस्पर्धा का सामना करने के लिए उद्योगों का पूर्ण रूपेण विकसित होना आवश्यक है।
सीमेंट उद्योंगों का विकास मुख्य रूप सें पर्याप्त व सृदृढ़ उत्पत्ति के साधनों पर निर्भर है। ये उत्पत्ति के साधन माल, मशीन, वित्त व मानव से संबंधित है, जिनके माध्यम से देश की सारी औद्योगिक अर्थव्यवस्था संचालित होती है।
प्रबंध के क्षेत्र में, प्रबंध को मशीन कच्चे माल वित्त, मानव की आवश्यकता होती है, इनमें से वित्त महत्वपूर्ण है, जिसके लिए व्यवस्था की जाती है। ''वित्त'' व्यवसाय की रीढ़ है। कोई भी व्यवसाय 'वित्त' बिना ना तो शुरू किया जा सकता है ना ही उसका विकास संभव है।
विभिन्न आर्थिक एवं व्यवसायिक गतिविधि को एक सूत्र में बाँधने के लिए किसी ऐसे साधन की जरूरत होती है। जो उन्हे व्यवस्थित रूप से निर्देशित व संचालित कर सके। ''वित्त ही ऐसा शक्तिशाली साधन है''।

2. छत्तीसगढ़ में सीमेंट उत्पादन एवं भारत में उत्पादन का प्रतिशत
छत्तीसगढ़ में सीमेंट की यात्रा की शुरूआत 1964 से हुयी तथा 1992 तक यहा पर 9 बड़े सीमेंट के कारखाने स्थापित हो गये। सी.सी.आई के दो कारखाने बंद होने के बाद सात बड़े कारखाने सेंचुरी सीमेंट, ग्रासिम सीमेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट , अंबुजा सीमेंट, एसीसी सीमेंट के एक –एक कारखाने लाफार्ज सीमेंट के दो कारखाने संचालित है।

सारणी कमांक 1: छत्तीसगढ़ राज्य की कुल सीमेंट उत्पादन क्षमता, उत्पादन एवं भारत में उत्पादन का प्रतिशत

वर्ष	उत्पादन क्षमता		उत्पादन	
2005–06	10.82	6.64	8.64	6.09
2004–05	10.82	7.02	8.33	6.53
2003–04	10.22	6.97	7.30	6.21
2002–03	10.36	7.40	7.13	6.40
2001–02	10.31	7.65	8.63	8.42

सारणी कमांक 2: छत्तीसगढ़ राज्य में स्थापित सीमेंट इकाईयों में पूंजी निवेश एवं रोजगार

क्र.	उद्योग का नाम	जिले का नाम	वार्षिक क्षमता	पूंजी निवेश लाखों में	रोजगार
1	मेसर्स लाफार्ज सीमेंट गोपाल नगर जांजगीर चांपा	जांजगीर चांपा	2240000मे.टन	43057.00	631
2.	मेसर्स एल.एण्ड.टी.सीमेंट हिरमी (अल्ट्राटेक सीमेंट)	रायपुर	1750000मेंटन	5700.20	820
3.	मेसर्स ग्रासिम सीमेंट रावन सिमगा	रायपुर	1700000में टन	5153.00	552
4.	मेसर्स एसीसी सीमेंट कंपनी प्रा. लि. जामुल	दुर्ग	1580000में टन	11200.00	823
5.	मेसर्स सेंचुरी सीमेंट बैकुंठ	रायपुर	120000में टन	22126.00	1559
6.	मेसर्स सेंचुरी सीमेंट बलोदाबाजार	रायपुर	1146000मे.टन	25000.00	600
7.	मेसर्स लाफार्ज सीमेंट सोनाडीह	रायपुर	1000000 में टन	15302.00	746

8.	मेसर्स भारत सीमेंट कंपनी	बिलासपुर	18000में टन	30.02	46
9.	मेसस लक्ष्मण सीमेंट ग्राम	बिलासपुर	11250में टन	74.44	40
10.	मेसर्स सिघानिया सीमेंट भाटापारा	रायपुर	9000 में टन	70.00	40
11.	मेसर्स हीरा सीमेंट उरला	रायपुर	5497 में टन	42.00	44
		योग	10659747में टन		

स्त्रोत – छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम द्वारा प्रदत्त जानकारी एसीसी जामुल सीमेंट वर्क्स मानव संसाधन विभाग से प्राप्त जानकारी

3. साहित्य समीक्षा

सीमेंट उत्पादन कम्पनी में वित्तीय प्रबंध की अवधारणा अपेक्षाकृत नवीन होने के कारण विशिष्ट रूप से इस पर कार्य नहीं हुआ है, सीमेंट इसके अलावा वित्तीय प्रबंध पर भी कुछ शोध कार्य हुये है, इनमें से कुछ का संक्षिप्त परिचय निम्न है।

जी.के. शिम. और जेग सिगल ने ''फाइनेन्शियल मैनेजमेंट'' शीर्षक के अंतर्गत अपने शोध मे वित्तीय प्रबंध के अंतर्गत अंडर स्टेडिंग फाइनेन्शियल स्टेटमेंट, फाइनेन्शियल फोरकास्टिंग एण्ड बजटिंग, एनालाइजिंग फाइनेन्शियल स्टेटमेंट अंडरस्टेडिंग रिटर्न एण्ड रिस्क वाल्विंग स्टॉक एण्ड बांडस, कास्ट ऑफ केपिटल, लांग टर्म इक्विटी फाइनेन्शिंग, डिविडेंट पालिसी, फेलर एण्ड रिकोग्नाईजेशन और इन्टर नेशनल फाइनेंस इत्यादि विषय वस्तु का अध्ययन किया है।

लांग टर्म इनवेस्टमेंट डिसीजन के अंतर्गत केपिटल बजटिंग, कांसेप्ट एण्ड मेजरमेंट ऑफ कास्ट ऑफ केपिटल, एनालिसिस ऑफ रिस्क एण्ड अनसरेटेंटी के बारे में बताया है। करंट ऐसेटस मैनेजमेंट के अंतर्गत वर्कंकिंग केपिटल, मैनेजमेंट ऑफ केश एण्ड मार्केटेबल सिक्यूरटिज, रिरसीवल्स मैनेजमेंट, इनवेंटरी मैनेजमेंट, वर्किंग केपिटल आदि के बारे में बताया है। इसी प्रकारक फाइनेंशियल डिसीजन के अंतर्गत ऑपरेटिंग फाइनेंसशियल, केपिटल स्ट्रक्चर आदि के बारे में अध्ययन किया है। लांग टर्म फाइनेंस के अंतर्गत केपिटल स्ट्रक्चर आदि के बारे में अध्ययन किया है। लांग टर्म फाइनेंस के अंतर्गत केपिटल मार्केट,शयर डिवेंचर, से संबंधित जानकारी दी गई है। इसके अलावा इन्होंने अपने अध्ययन में रिस्क मैनेजमेंट, डिवेंडेंट डिसीजन वेलवेशन एण्ड कार्पोरेट, रिस्ट्रक्चरिंग इंटरनेशनल फाइनेंस का भी अध्ययन किया है।

एम. वाय खान और पी.के. जैन ने फाइनेन्शियल मैनेजमेंट शीर्षक के अंतर्गत इसे कई भाग में डिवाईड किया है। फाऊडेशन ऑफ फाइनेंस में उससे संबंधित डिसीप्लीन, स्कोप, आब्जेक्टिव, फंक्शन, इमरजिंग रोल ऑफ फाइनेंस मैनेजमेंट, इन इंडिया, टाईम वेल्यू ऑफ मनी, रिस्क एण्ड रिटर्न वेल्यूवेशन ऑफ बांड एण्ड शेयर आदि के बारे में बताया गया है। इसी प्रकार फाइनेंशियल एनालिसिस प्राफिट प्लानिंग एण्ड कंट्रोल में केश फ्लो स्टेटमेंट, फाइनेंशियल स्टेटमेंट, एनालिसिस, वाल्यूम–कास्ट एनालिसिस, बजटिंग एण्ड प्राफिट प्लानिंग का अध्ययन किया गया है।

सीमेंट उद्योग का मूल्यांकन (लाफार्ज व अंबुजा संयंत्र के संदर्भ में) शीर्षक के अंतर्गत अपने शोध कार्य में यह अध्ययन किया है, कि वर्तमान वैज्ञानिक युग में सीमेंट शक्ति की अनिवार्यता तीव्रता के साथ महसूस की जा रही है, तथा सीमेंट उत्पादन कार्य में वित्त महत्वपूर्ण है, जिसका उचित मूल्यांकन होना आवश्यक है। उन्होंने इस अध्ययन में 3 अनुवर्तीय वर्षों 1985–86 से 1989–90 को आधार मानकर वित्तीय समीक्षा का प्रयास किया है। उन्होंने अपने अध्ययन में संस्था के पूर्ण निर्मित, अर्द्धनिर्मित इकाईयों निर्माण कार्य की प्रगति तथा अंततः आयोजित इकाईयों की पूर्णता आदि को वित्तीय मूल्यांकन हेतु शामिल किया है। व अपने शोधकार्य में इस निष्कर्ष पर पहुंचते है कि लाफार्ज सीमेंट संयंत्र इकाई को अपनी स्थापना काल में सीमित सफलता मिल पाई है, तथा उसे अनेकानेक वित्तीय कठिनाईयों का सामना करना पड़ा है, किन्तु उसमें रंग मात्र भी जड़ता नहीं आ पाई है।

''भिलाई इस्पात संयंत्र का वित्तीय प्रबंध एवं वित्तीय विश्लेषण'' शीर्षक के अंतर्गत भिलाई इस्पात संयंत्र के वित्तीय विवरणों एवं वित्तीय विश्लेषणों के अध्ययन के आधार पर वित्तीय संगठन, पूंजी संरचना, विकय, विभिन्न व्यय लाभालाभ, स्कंध, कार्यशील पूंजी लागत अध्ययन, बजट, शोधन क्षमता, वित्तीय स्थिति का विश्लेषण पूर्ण रूप से किया गया है। साथ ही समकक्ष संयंत्रों के वित्तीय स्थिति को सुदृढ़ बताते है, क्योंकि इसकी कुल संपत्तियों का कुल दायित्वों के साथ अनुपात 1:22:1 है, और संयंत्र के आंतरिक पूंजी के निर्माण की दर संतोषप्रद बतायी गयी है।

4. अध्ययन के उद्देश्य

लाफार्ज एवं अंबुजा सीमेंट संयत्रों रोक के कोषों का तुलनात्मक अध्ययन।

5. अध्ययन के परिकल्पना

लाफार्ज एवं अंबुजा सीमेंट संयत्रों कार्यशील पूंजी की गणना करना ।

6. समंकों *का संकलन*

प्रस्तुत अध्ययन में आवश्यक समंकों को प्राथमिक व द्वितीयक दोंनों ही स्रोतों से एकत्रित किया गया है। प्राथमिक समंको के अंतर्गत सीमेंट उत्पादन कंपनी कार्पोरेशन के कर्मचारी व अधिकारियों से साक्षात्कार, अवलोकन पद्धति का प्रयोग किया गया है।

द्वितीयक समंको की प्राप्ति के लिए प्रकाशित पॉच वार्षिक प्रतिवेदन, शोध, प्रतिवेदन, के साथ सीमेंट उत्पादन कंपनी के वेबसाइड से जानकारी प्राप्त की गई है।

प्रतिदर्श:- प्रस्तुत अध्ययन हेतु सीमेंट लिमिटेड की दो महत्वपूर्ण ईकाईयों लाफार्ज एवं अंबुजा सीमेंट छत्तीसगढ़ के गोपाल नगर, आरसमेटा ग्राम जांजगीर जिला एवं बलौदा बाजार जिले के भाटापारा के पास स्थित रवान नाम के गांव में स्थित है को लिया गया है।

प्रस्तुत अध्ययन में समान समंको का विश्लेषण करने के लिए समंक का सदैव निर्देशन पद्धति द्वारा चुनाव किया गया है।

7. समंकों का विश्लेषण :– प्रस्तुत अध्ययन में शोधार्थी ने लाफार्ज एवं अंबुजा सीमेंट संयत्रों के रोक कोषों का विश्लेषण तथा कार्यशील पूंजी का गणना किया है।

(क) लाफार्ज सीमेंट कार्यशील पूंजी का प्रबंध –

सारणी क्रमांक 3: प्रथम विचारधारा के अनुसार कार्यशीलपूजी की गणना करोड़ रूपये में

वर्ष	चल सम्पत्तियों का योग	चल दायित्वों का योग	कार्यशील पूंजी
2001	3,274.65	1812.69	461.94
2002	3,336.88	2303.53	1033.35
2003	3,319.24	2574.02	745.21
2004	3,962.83	3408.29	554.54
2005	5,136.35	4209.56	926.78

उक्त सारणी में लाफार्ज सीमेंट वर्क्स को कार्यशील पूंजी की गणना चल सम्पत्तियों में चल दायित्वों को घटाकर की गयी है। इसके अनुसार कार्यशील पूंजी वर्ष 2000–01 से वर्ष 2004–05 तक क्रमशः 461.94 करोड़ रूपये, 1033.35 करोड़ रूपये, 745.21 करोड़ रूपये, 554.54 करोड़ रूपये एवं 926.78 करोड़ रूपये है।

अतः स्पष्ट है कि वर्ष 2001–2002 से वर्ष 2002–2003 में कार्यशील पूंजी लगभग दूगुनी हो गयी है, इसका कारण चल सम्पत्तियों की अपेक्षा चल दायित्व में कमी हुई है। वर्ष 2002–03, 2003–04 में पुनः यह 2002–03 से कम हुई है। इसका कारण चल सम्पत्तियों में दायित्वों की तुलना में कम वृद्धि हुई है, वर्ष 2004–05 में चल सम्पत्तियों में चल दायित्व अपेक्षाकृत अधिक वृद्धि हुई है। जिसके परिणामस्वरूप इस वर्ष कार्यशील पूंजी 926.78 करोड़ रूपये है, जो कि पूर्व के दो वर्षों से अधिक एवं 2002–03 के लगभग है, अतः संस्थान के पास प्रतिवर्ष संचालन हेतु पर्याप्त कार्यशील पूंजी विद्यमान रहती है।

2. द्वितीय विचारधारानुसार कार्यशील पूंजी की गणना

सारणी क्रमांक 4: द्वितीय विचारधारानुसार कार्यशील पूंजी की गणना

क्र.	विवरण	2000–01	2001–02	2002–03	2003–04	2004–05
1	अंशपूंजी एवं अतिरेक	5333.94	5076.82	3861.26	2168.74	3834.43
2	ऋण कोष	4475.20	4182.50	3923.06	4389.87	3468.16
3	कुल कोष	9808.14	9259.32	7784.32	6558.61	7302.59
–	स्थायी सम्पत्तियां	7396.77	6860.17	6423.92	5939.76	6331.33
अ.	शेष कार्यशील पूंजी के लिए उपलब्ध	2412.37	2399.15	1360.40	618.85	971.26
	चल सम्पत्तियां	2474.64	3336.88	3319.23	3962.83	5136.35
	चल दायित्व	1812.69	2303.53	2574.02	3408.27	4209.56
ब.	शुद्ध चल सम्पत्तियां	461.94	1033.35	745.21	554.55	926.78
	कार्यशील पूंजी अ + ब	2874.31	3432.50	2105.61	1173.40	1898.04

उक्त सारणी में लाफार्ज सीमेंट वर्क्स की कार्यशील पूंजी की गणना द्वितीय विचारानुसार की गयी है, इसके अनुसार सन् 2000–01 से वर्ष 2004–05 तक संस्थान की कार्यशील पूंजी क्रमशः 2874.31 करोड़ रूपये, 3432.50 करोड़ रूपये, 2105.61 करोड़ रूपये 1173.40 करोड़ रूपये एवं 1898.04 करोड़ रूपये है।

अंतिम दो वर्षों में कार्यशील पूंजी कम प्रतीत होती है, परन्तु इसका कारण कुल कोष में से लाफार्ज सीमेंट वर्क्स द्वारा ऋणों की अदायगी एवं रेमण्ड वूलन मिल्स लि. से प्राप्त रकम की अदायगी करना है।

संस्थान के द्वारा मुख्यालय को राशि प्रदान करना संचालन हेतु कार्यशील पूंजो की पर्याप्तता का द्योतक है। क्योंकि अतिरिक्त राशि को ही मुख्यालय (लाफार्ज मिल्स मि.) को वापस किया गया है।

अंबुजा सीमेंट कार्यशील पूंजी का प्रबंध –

सारणी क्रमांक 5: प्रथम विचारधारा के अनुसार कार्यशील पूंजी की गणना करोड़ रूपये में

वर्ष	चल सम्पत्तियों का योग	चल दायित्वों का योग	कार्यशील पूंजी
2001	4,274.65	3812.69	561.94
2002	4,336.88	3303.53	633.35
2003	4,319.24	3574.02	745.21
2004	4,962.83	3408.29	854.54
2005	4,136.35	3209.56	996.78

उक्त सारणी में अंबुजा सीमेंट वर्क्स की कार्यशील पूंजी की गणना चल सम्पत्तियों में चल दायित्वों को घटाकर की गयी है। इसके अनुसार कार्यशील पूंजी वर्ष 2000–01 से वर्ष 2004–05 तक क्रमशः 561.94 करोड़ रूपये, 633.35 करोड़ रूपये, 745.21 करोड़ रूपये, 854.54 करोड़ रूपये एवं 996.78 करोड़ रूपये है।

अतः स्पष्ट है कि वर्ष 2001–2002 स वर्ष 2002–2003 में कार्यशील पूंजी लगभग दूगुनी हो गयी है, इसका कारण चल सम्पत्तियों की अपेक्षा चल दायित्व में कमी हुई है। वर्ष 2002–03, 2003–04 में पुनः यह 2002–03 से कम हुई है। इसका कारण चल सम्पत्तियों में दायित्वों की तुलना में कम वृद्धि हुई है, वर्ष 2004–05 में चल सम्पत्तियों में चल दायित्व अपेक्षाकृत अधिक वृद्धि हुई है। जिसके परिणामस्वरूप इस वर्ष कार्यशील पूंजी 996.78 करोड़ रूपये है, जो कि पूर्व के दो वर्षों से अधिक एवं 2002–03 के लगभग है, अतः संस्थान के पास प्रतिवर्ष संचालन हेतु पर्याप्त कार्यशील पूंजी विद्यमान रहती है।

सारणी क्रमांक 6: द्वितीय विचारधारानुसार कार्यशील पूंजी की गणना करोड़ रूपये में

क्र.	विवरण	2000–01	2001–02	2002–03	2003–04	2004–05
1	अंशपूंजी एवं अतिरेक	5333.94	5076.82	3861.26	2168.74	3834.43
2	ऋण कोष	4475.20	4182.50	3923.06	4389.87	3468.16
3	कुल कोष	9808.14	9259.32	7784.32	6558.61	7302.59
–	स्थायी सम्पत्तियां	7396.77	6860.17	6423.92	5939.76	6331.33
अ.	शेष कार्यशील पूंजी के लिए उपलब्ध	2412.37	2399.15	1360.40	618.85	971.26
	चल सम्पत्तियां	2474.64	3336.88	3319.23	3962.83	5136.35
	चल दायित्व	1812.69	2303.53	2574.02	3408.27	4209.56
ब.	शुद्ध चल सम्पत्तियां	461.94	1033.35	745.21	554.55	926.78
	कार्यशील पूंजी अ + ब	3874.31	4432.50	5105.61	4173.40	4898.04

नोट – अंशधारी कोष में अंबुजा मिल्स लि. से प्राप्त राशि को भी सम्मिलित किया गया ह, वर्ष 2003–04 एवं 2004–05 में लाफार्ज सीमेंट वर्क्स द्वारा अंबुजा को राशि वापस की गयी जिसके कारण दो वर्षों के कोष में कमी हो गई है।

उक्त सारणी में अंबुजा सीमेंट वर्क्स की कार्यशील पूंजी की गणना द्वितीय विचारानुसार की गयी है, इसके अनुसार सन् 2000–01 से वर्ष 2004–05 तक संस्थान की कार्यशील पूंजी क्रमशः 3874.31 करोड़ रूपये, 4432.50 करोड़ रूपये, 5105.61 करोड़ रूपये 4173.40 करोड़ रूपये एवं 4898.04 करोड़ रूपये है।

अंतिम दो वर्षों में कार्यशील पूंजी कम प्रतीत होती है, परन्तु इसका कारण कुल कोष में से अंबुजा सीमेंट वर्क्स द्वारा ऋणों की अदायगी से प्राप्त रकम की अदायगी करना है।

9. निष्कष

प्रस्तुत अध्ययन के अंतर्गत लाफार्ज एवं अंबुजा सीमेंट संयंत्र के तरल कोषों की विवेचना की गयी है जिसके अंतर्गत कार्यशील पूंजी का प्रबंध, प्राप्यों की प्रबंध रो प्रबंध पहली विचार धारा में लिंकन स्टेवन कार्यशील पूंजी का अर्थ लेखा पूस्तकों में दायित्व एवं चालू संपत्तियों के अंतर को माना जाता है। दूसरी विचार धारा के अंतर्गत फिल्ड में लाडडेकर विद्वान आते है। इनके अनुसार कार्यशील पूंजी का अर्थ दीर्घकालीन एवं अल्पकालीन देयताओं द्वारा चालू संपत्तियां चाहे वो दीर्घ कालीन ऋण के आधार पर व्यवस्थित किया जाए। चाहे अंश पूंजी से कार्यशील पूंजी का परिचालन चक बताया गया है। प्राप्यों के प्रबंध एवं नियंत्रण के उद्देश्य को भी शामिल किया गया है। अधिकतम प्रतिफल की प्राप्ति अशोध्य ऋणों में कमी विनियोग की मात्रा को निश्चित करना है। अंबुजा सीमेंट संयंत्र के अंतिम दो वर्षों में कार्यशील पूंजी कम प्रतीत होती है, परन्तु इसका कारण कुल कोष में से अंबुजा सीमेंट वर्क्स द्वारा ऋणों की अदायगी से प्राप्त रकम की अदायगी करना है।

10. संदर्भ

1. क्लाइड पी.स्टीकने, रोमन एल.वेथ ''वित्तीय लेखा'' आवधारणाओं तारीके और उपयोग करने के लिए एक परिचय।
2. कुपर बिजीनेस ''रिसर्च मेथड'' टाटा मेकग्रोवहिल, नई दिल्ली।
3. डेविड , ए.एस. ''द फाइनेंशियल पालिसी ऑफ कार्पोरेशन न्यूयार्क'' द रोनाला प्रेस को. 1953।
4. दीक्षित नारायण ''द फाइनेशियल मैनेजमंट '' आशा बुक पब्लिकेशन नई दिल्ली, 2006।
5. डोनाल्डसन ई.एफ., ''कार्पोरेट फाइनेंस,'' न्यूयार्क : रोनाल्ड प्रेस कंपनी 1957।
6. डक, आर.ई.वी. एण्ड जरविस, एफ.आर.एस. ''मैनेजमेंट एकाउंटिंग'' यू.एस. ए जार्ज जी. हरेप एण्ड को, 1964।
7. फिने, एच. ए. एण्ड मिलर एच. ई, 'प्रिंसिपल ऑफ फाइनेंशियल एकाउंटिंग, ''न्यू दिल्ली प्रेटींस हॉल, 1968।
8. फिने, एच. ए. एण्ड मिलर एच.ई, ''प्रिंसिपल ऑफ फाइनेंशियल एकाउंटिंग'' न्यू दिल्लीः प्रेटींस हॉल, 1968।
9. फोल्के, आर. ए., प्रेक्टिकल फाइनेंशियल स्टेटमेंट एनालिसिस'', 6 जी एडीशन, न्यू दिल्ली टाटा मेक्ग्रोव हिल, 1972।
10. फुलके, रॉय ''ए. प्रेक्टिकल फाइनेशियल स्टेटमेंट'' मैंग्राहील बुक कंपनी, न्यूयार्क, 1957।
11. हारेन्ग्रेह, ओ. टी., ''इन्ट्रोडक्शन टू मैनेजमेंट एकाउंटिंग, ''न्यू दिल्ली प्रिंटींग हाल, 1980।